वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 313 गुरुवार 16 अप्रैल 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जैन सोशल ग्रुप हैरिटेज सिटी का रजत जयंती समारोह-2026 भव्यता के साथ संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन समुदाय की विश्व की सबसे बड़ी संस्था जैन सोशल ग्रुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन, मुंबई के जयपुर स्थित एक ग्रुप जैन सोशल ग्रुप हैरिटेज सिटी जयपुर ने अपना रजत जयंती समारोह-2026 बड़े ही भव्यता के साथ राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, झालाना में आयोजित किया।

ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बज ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि श्रीमान सुधांशु जी कासलीवाल, अध्यक्ष दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी, दीप प्रज्वलनकर्ता दीवान उदयलाल ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमान अनिल जी दीवान एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमान उमरावमल जी सांघी, अध्यक्ष श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद एवं श्री सुभाष चंद जैन, अध्यक्ष राजस्थान जैन सभा रहे तथा समारोह की अध्यक्षता जैन सोशल ग्रुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन, मुंबई के पूर्व अध्यक्ष इंजीनियर राकेश जी जैन ने की।

ग्रुप के अध्यक्ष नितिन पाटनी ने बताया कि सर्वप्रथम भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष श्री अनिल जी दीवान एवं परिवारजन तथा समारोह के सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी अतिथियों का तिलक, माला व साफा पहनाकर

स्वागत-अभिनंदन ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बज, अध्यक्ष नितिन पाटनी, सचिव अरुण पाटनी, उपाध्यक्ष प्रदीप बज, संयुक्त सचिव डॉक्टर सुदीप जैन, कोषाध्यक्ष राजीव बज तथा पूर्व अध्यक्ष मुकेश कासलीवाल, अरविंद पाटनी, महावीर सेठी एवं शांति काला ने किया।

नॉर्दर्न रीजन के वर्तमान अध्यक्ष श्री राजीव पाटनी, सचिव श्री रविंद्र बिलाला ने हैरिटेज सिटी ग्रुप के दम्पत्ति सदस्यों को रजत जयंती समारोह के आयोजन की शुभकामनाएं प्रेषित कीं और ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बज, अध्यक्ष नितिन पाटनी एवं सचिव अरुण पाटनी का माला, शॉल व दुपट्टा पहनाकर स्वागत-अभिनंदन किया।

सर्वप्रथम प्रेक्षा जैन एवं मोक्तिका जैन ने नृत्य के साथ मंगलाचरण प्रस्तुत किया। संगिनी फोरम हैरिटेज सिटी की अध्यक्ष शशि बज, संस्थापक अध्यक्ष शालिनी जैन, सचिव दीपाली पाटनी एवं निवर्तमान अध्यक्ष अलका बज ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। संगिनी फोरम की सदस्याओं द्वारा बड़ी ही भव्यता व भावनात्मक नाटिका 'मां का दिल' का मंचन किया गया, जिसे खूब सराहना मिली।

ग्रुप के दंपत्ति सदस्यों द्वारा ग्रुप के 25 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें सभी अतिथियों एवं सदस्यों ने सराहा और बधाइयां दीं।

ग्रुप अध्यक्ष नितिन पाटनी एवं संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बज ने ग्रुप के 25 वर्षों की सफल यात्रा को अपने उद्बोधन एवं एलईडी पर चित्र प्रदर्शन के माध्यम से प्रस्तुत किया और उपलब्धियों की जानकारी दी। सुभाष बज ने बताया कि ग्रुप द्वारा स्थापना वर्ष 2001 से प्रतिमाह विभिन्न मंदिरों में भक्तामर स्तोत्र पाठ का आयोजन निरंतर किया जा रहा है, जिसकी 301वीं कड़ी इसी माह आयोजित हुई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे इंजीनियर राकेश जैन ने सभी को रजत जयंती की बधाई देते हुए भविष्य की योजनाओं व विजन 2040 पर विचार रखे। मुख्य अतिथि सुधांशु कासलीवाल ने युवा पीढ़ी को धर्म के प्रति जागरूक करने की बात कही। विशिष्ट अतिथि उमरावमल सांघी एवं राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चंद जैन ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर 'रजत जयंती स्मारिका-2026' का विमोचन किया गया। अंत में ग्रुप सचिव अरुण पाटनी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन श्री राकेश गोधा एवं श्रीमती माला जैन ने प्रभावी ढंग से किया।

यश कमल अजमेरा 'प्लैटिनम ऑफ द ईयर' अवार्ड से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का 30वां अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन रविवार, 12 मार्च को पावन अतिशय क्षेत्र चंद्रोदय चांदखेड़ी जी में पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य व अन्य गणमान्य अतिथियों एवं हजारों सदस्यों की उपस्थिति में भव्यता के साथ संपन्न हुआ। अधिवेशन में संस्था के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनोहर जी झांझरी द्वारा पूर्व राज रीजन जयपुर अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्री यश कमल अजमेरा को अध्यक्षीय अवार्ड ''प्लैटिनम ऑफ द ईयर'' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें वर्षभर फेडरेशन के प्रति समर्पण भाव से किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदान किया गया।

नवागढ़ में त्रिदिवसीय प्राकृत भाषा प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

प्राकृत भाषा संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

नवागढ़ (ललितपुर). शाबाश इंडिया

परम पूज्य प्राकृताचार्य श्री सुनीलसागर जी महाराज के पावन आशीर्वाद से प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन द्वारा प्रागैतिहासिक तीर्थक्षेत्र नवागढ़ में आयोजित त्रिदिवसीय प्राकृत प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन हुआ। इस कार्यशाला में देशभर से आए 100 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को प्राकृत भाषा के शिक्षण हेतु प्रशिक्षित किया गया। बुंदेलखंड जैसे दूरस्थ क्षेत्र में इस स्तर के आयोजन की सभी विद्वानों एवं प्रतिभागियों ने मुक्तकंठ से सराहना की। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राकृत भाषा में प्रस्तुत मंगलाचरण से हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं टीकमगढ़ विधायक यादवेंद्र बुंदेला ने कहा कि यह आयोजन भारतीय संस्कृति एवं प्राचीन भाषाओं के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक पहल है। कार्यशाला के निर्देशक ब्र. जय कुमार निशांत ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर प्राकृत भाषा के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ भावी शिक्षकों के निर्माण में मील का पत्थर सिद्ध होंगे। कार्यशाला के दौरान प्रतिदिन अभिषेक पूजन, आध्यात्मिक साधना एवं पुरातात्विक स्थलों के भ्रमण ने प्रतिभागियों को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध अनुभव प्रदान किया। विशेषज्ञों ने आशा व्यक्त की कि इस आयोजन से प्राकृत शिक्षकों की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

विद्वानों ने दिया प्रशिक्षण

प्रशिक्षण कार्य में ब्र. जयकुमार जैन निशांत, विनोद जैन (रजवास), राजकुमार जैन शास्त्री (सागर), डॉ. आशीष जैन आचार्य (शाहगढ़), डॉ. शैलेश जैन (उदयपुर), डॉ. सुनील जैन संचय (ललितपुर), डॉ. आशीष जैन शास्त्री (दमोह), डॉ. आशीष जैन (बम्होरी), डॉ. राजेश जैन (ललितपुर), डॉ. निर्मल जैन शास्त्री एवं पवन जैन शास्त्री दीवान (सागर) ने प्रशिक्षण प्रदान किया। आयोजन समिति की ओर से सभी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कार्यशाला प्रभारी डॉ. शैलेश जैन (उदयपुर) ने प्रभावी रूप से किया। फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो. ऋषभ चंद जैन, महामंत्री डॉ. आशीष जैन आचार्य सहित सभी पदाधिकारियों ने नवागढ़ क्षेत्र कमेटी एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समापन समारोह में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम की सफलता में ब्रह्मचारी जयनिशांत भैया जी की सहृदयता एवं क्षेत्र के महामंत्री वीरचंद जैन नेकोरा के उत्कृष्ट नेतृत्व की विशेष भूमिका रही। यह कार्यशाला एक सफल 'ज्ञान-यज्ञ' के रूप में लंबे समय तक स्मरणीय रहेगी। उल्लेखनीय है कि प्राकृत भाषा प्राचीन भारत की जनभाषा रही है। भारत सरकार ने इसकी महत्ता को देखते हुए इसे शास्त्रीय भाषा में शामिल किया है।

दूसरे दिन भी भक्ति और श्रद्धा से ओतप्रोत रहा 25 समवशरण महामंडल विधान

आगरा. शाबाश इंडिया

जयपुर हाउस स्थित श्रीराम पार्क में आयोजित 25 समवशरण महामंडल विधान का दूसरा दिन भी गहन आध्यात्मिकता और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य तथा श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति, जयपुर हाउस के तत्वावधान में सुबह की शुरूआत अभिषेक एवं शांतिधारा से हुई। श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चारण और मंगलाचरण के बीच भगवान का अभिषेक कर वातावरण को पूर्णतः धर्ममय बना दिया। इसके पश्चात पंडित अरविंद जैन शास्त्री एवं पंडित संदीप जैन शास्त्री के निर्देशन में 24 समवशरणों में विराजमान तीर्थंकरों के समक्ष इंद्र-इंद्राणियों द्वारा विधिपूर्वक विधान संपन्न किया गया। विधान के मध्य उपस्थित भक्तों ने संगीतकार शानू एंड पार्टी के मधुर भजनों पर नृत्य कर प्रभु भक्ति का आनंद लिया। बाहर से पधारे अतिथियों का आयोजन समिति द्वारा माला एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत-सम्मान किया गया। भक्ति और अनुशासन का यह दृश्य उपस्थित जनसमूह के लिए अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक रहा। एक विशेष समवशरण में श्रीजी की प्रतिमाओं की स्थापना की गई, जहां उपाध्यायश्री ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए संयम, साधना और आत्मशुद्धि का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन भी गरिमामय वातावरण में हुआ, जिसमें गणमान्य अतिथियों ने भाग लेकर आयोजन की सराहना की। सायंकालीन बेला में श्रद्धा का उत्साह और अधिक बढ़ गया, जब पुण्यार्जक राकेश जैन, अभिषेक जैन, सूर्यांश जैन परिवार एवं मनोज जैन तथा ऋषभ जैन परिवार द्वारा बैंड-बाजों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसके उपरांत श्रीजी की मंगल आरती एवं उपाध्यायश्री की संगीतमय आरती ने पूरे पंडाल को 'जय जिनेंद्र' के जयघोष से गुंजायमान कर दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। दिनभर चले धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित किया। सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं के चलते आयोजन सफलता के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर पन्नालाल बैनाड़ा, राजेश बैनाड़ा, राकेश जैन परदेवाले, सुबोध पाटनी, दीपक जैन, अशोक जैन, मनोज जैन, अरुण जैन, नीरज जैन, अजय जैन, पंकज जैन, राजीव प्रकाश जैन, अभिषेक जैन, राहुल जैन, अमित सेठिया, ऊषा मारसंस, वंदना जैन, नीतू जैन, इशिता जैन, ऊषा जैन, नीता जैन, रूचि जैन सहित समस्त जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रिपोर्ट: शुभम जैन

राजनीति

संपन्न दुनिया, असंतुष्ट मानवता

भूपेन्द्र गुप्ता

आज जब हम 21वीं सदी के तीसरे दशक में खड़े हैं, तो एक कठोर सच्चाई हमें झकझोरती है दुनिया जितनी समृद्ध कभी नहीं रही, उतनी ही असमान और असंतुष्ट भी पहले कभी नहीं रही। विज्ञान ने अभूतपूर्व प्रगति की है, तकनीक ने सीमाएँ तोड़ी हैं और उत्पादन ने नए रिकॉर्ड बनाए हैं। इसके बावजूद भूख, भय, युद्ध और मानसिक असंतोष व्यापक रूप से मौजूद हैं। प्रश्न उठता है ऐसा क्यों? संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थाओं की रिपोर्टें बताती हैं कि दुनिया में इतना खाद्यान्न उत्पादन होता है कि हर व्यक्ति को पर्याप्त भोजन मिल सकता है। ऊर्जा संसाधनों का भी अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। फिर भी करोड़ों लोग गरीबी और अभाव में जीवन जी रहे हैं। यह विरोधाभास स्पष्ट करता है कि समस्या संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि उनके असमान वितरण और हमारी सोच की विकृति है। इसी संदर्भ में महात्मा गांधी का दर्शन आज पहले से अधिक प्रासंगिक हो उठता है। गांधी जी ने कहा था ''पृथ्वी हर व्यक्ति की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन हर व्यक्ति के लालच को नहीं।'' यह कथन आज के वैश्विक संकट का सटीक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। आधुनिक मानव अब आवश्यकता से नहीं, बल्कि अनंत इच्छाओं से संचालित हो रहा है। आज राष्ट्र केवल अपनी सुरक्षा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संसाधनों पर वर्चस्व की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। ऊर्जा, जल और खनिज जैसे संसाधन अब जीवन के साधन नहीं, बल्कि शक्ति के प्रतीक बन गए हैं। हाल के वैश्विक संघर्ष इस बात के प्रमाण हैं कि संसाधनों की यह होड़ कितनी विनाशकारी हो सकती है। हमारी आर्थिक व्यवस्था भी इस असंतुलन को बढ़ावा देती है। जब विकास का केंद्र 'मुनाफा' बन जाता है और 'मानव' पीछे छूट जाता है, तब समृद्धि कुछ लोगों तक सीमित रह जाती है। बड़ी कंपनियाँ और शक्तिशाली वर्ग संसाधनों पर नियंत्रण स्थापित कर लेते हैं, जबकि आम व्यक्ति संघर्ष करता रह जाता है। यह केवल आर्थिक असफलता नहीं, बल्कि नैतिक पतन का संकेत है। गांधी जी का अपरिग्रह सिद्धांत इस संकट से बाहर निकलने का मार्ग दिखाता है। इसका अर्थ है संतुलित जीवन, सीमित उपभोग और दूसरों के अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता।

संपादकीय

बिहार में ऐतिहासिक बदलाव, एक नया अध्याय शुरू

बिहार की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू हो गया है। बुधवार को सम्राट चौधरी ने राज्य के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। यह घटना इसलिए ऐतिहासिक मानी जा रही है क्योंकि स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार भारतीय जनता पार्टी का कोई नेता बिहार की सत्ता की कमान संभाल रहा है। नीतीश कुमार के दो दशक से अधिक लंबे शासन के बाद यह सत्ता परिवर्तन न केवल नए राजनीतिक समीकरणों को दर्शाता है,

बल्कि राज्य की विकास यात्रा में नई दिशा का संकेत भी देता है। सम्राट चौधरी, जो इससे पहले उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं, ने राजभवन में आयोजित समारोह में पद और गोपनीयता की शपथ ली। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई केंद्रीय नेता उपस्थित रहे। उनके साथ जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता विजय चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। यह गठन स्पष्ट रूप से जातीय और क्षेत्रीय संतुलन को साधने का प्रयास दर्शाता है। सम्राट चौधरी का राजनीतिक सफर भी दिलचस्प रहा है। वे पहले राष्ट्रीय जनता दल से जुड़े रहे, फिर जनता दल (यूनाइटेड) के रास्ते भाजपा में आए और संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उनकी भूमिका ने उन्हें एक मजबूत संगठनात्मक नेता के रूप में स्थापित किया। उनका मुख्यमंत्री बनना पार्टी की दीर्घकालिक रणनीति और जमीनी पकड़ का परिणाम माना जा रहा है। इधर, नीतीश कुमार ने हाल ही में राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया। राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति से कुछ दूरी बनाने का संकेत दिया है। लगभग 20 वर्षों तक 'सुशासन' के एजेंडे के साथ बिहार का नेतृत्व करने वाले नीतीश कुमार के कार्यकाल में बुनियादी ढांचे का विकास हुआ, कानून-व्यवस्था में सुधार आया और महिला सशक्तिकरण के कई कदम उठाए गए। हालांकि, अंतिम वर्षों में गठबंधन की अस्थिरता और स्वास्थ्य कारणों का असर उनकी सक्रियता पर पड़ा। अब वे मार्गदर्शक की भूमिका में नजर आएंगे। भाजपा के लिए यह बदलाव एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। 1990 के दशक से चली आ रही 'मंडल बनाम कमंडल' की राजनीति के बीच भाजपा लंबे समय तक सहयोगी की भूमिका में रही, लेकिन अब वह सीधे नेतृत्व में आ गई है। सम्राट चौधरी को आगे कर पार्टी ने अनुभव और नई ऊर्जा का संतुलन साधने की कोशिश की है। यह बदलाव राज्य में भाजपा की स्वतंत्र पहचान को और मजबूत करेगा। हालांकि, नई सरकार के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। बिहार आज भी गरीबी, बेरोजगारी और बड़े पैमाने पर पलायन जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। जातीय समीकरण यहां की राजनीति में अहम भूमिका निभाते हैं, ऐसे में सभी वर्गों का विश्वास जीतना सरकार की प्राथमिकता होगी। विपक्ष, विशेषकर महागठबंधन, भी मजबूत है और लगातार सरकार पर दबाव बनाए रखेगा। आर्थिक मोर्चे पर विशेष राज्य का दर्जा, केंद्र से अधिक संसाधन और निवेश की जरूरत बनी रहेगी। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

हाथियों की विरासत: जैव विविधता और पर्यावरण का अनमोल हिस्सा

सुनील कुमार महला

पृथ्वी के विशालकाय और सामाजिक जीवों में से एक हाथी को 'पारिस्थितिकी तंत्र का इंजीनियर' कहा जाता है। इनके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और घटती संख्या को बचाने के उद्देश्य से हर वर्ष 16 अप्रैल को 'हाथी बचाओ दिवस' मनाया जाता है। वर्तमान समय में हाथी अनेक गंभीर खतरों का सामना कर रहे हैं, जिनमें अवैध शिकार (विशेषकर हाथीदांत के लिए), वनों की कटाई, प्राकृतिक आवास का विनाश, मानव-हाथी संघर्ष और जलवायु परिवर्तन प्रमुख हैं। चूंकि हाथी जंगलों, घासभूमियों और जल स्रोतों के संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनका संरक्षण पर्यावरण के लिए अनिवार्य है। हाथी पारिस्थितिकी तंत्र को कई तरीकों से समृद्ध करते हैं। वे फलों और पौधों को खाकर लंबी दूरी तय करते हैं और अपने मल के माध्यम से बीजों का प्रसार करते हैं, जिससे नए पौधों का विकास होता है और वनों का विस्तार बना रहता है। घने जंगलों में चलते समय वे झाड़ियां और टहनियां तोड़ते हैं, जिससे सूर्य का प्रकाश जमीन तक पहुंचता है और छोटे पौधों तथा घास को पनपने का अवसर मिलता है। सूखे के समय हाथी अपनी सूंड और पैरों से जमीन खोदकर पानी निकालते हैं, जिससे अन्य जीवों को भी जल स्रोत मिलते हैं। इसके अलावा, उनके द्वारा बनाए गए प्राकृतिक रास्ते अन्य वन्यजीवों के आवागमन को आसान बनाते हैं, जबकि उनका मल मिट्टी को उर्वर बनाकर पौधों की वृद्धि में सहायक होता है। भारत में हाथियों की उपस्थिति मुख्य रूप से कर्नाटक, असम, केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में पाई जाती है। प्रोजेक्ट एलिफेंट (2017) के अनुसार देश में लगभग 29,000-30,000 जंगली हाथी थे, जबकि 2025 की डीएनए आधारित गणना में इनकी संख्या घटकर लगभग 22,446 रह गई है। वैश्विक स्तर पर हाथियों की दो प्रमुख प्रजातियां पाई जाती हैं, अफ्रीकी हाथी (लगभग 4-5 लाख) और एशियाई हाथी (लगभग 50,000-60,000)। इनमें भारत विश्व के कुल एशियाई हाथियों का 60% से अधिक हिस्सा समेटे हुए है। आज मानव-हाथी संघर्ष एक गंभीर पर्यावरणीय और सामाजिक समस्या बन चुका है। वनों का सिकुड़ना, कृषि विस्तार और मानव बस्तियों का बढ़ना इसके मुख्य कारण हैं। इसके परिणामस्वरूप हर वर्ष सैकड़ों लोगों की मृत्यु होती है। वर्ष 2023-24 में यह संख्या 628 तक पहुंच गई, जो चिंताजनक है। वहीं पिछले पांच वर्षों में हजारों मानव मौतें दर्ज की गई हैं, जिनमें ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और छत्तीसगढ़ सबसे अधिक प्रभावित रहे हैं। दूसरी ओर, मानव गतिविधियों के कारण हाथियों की मौत भी बड़ी संख्या में हो रही है। पिछले 16 वर्षों में 1,653 हाथियों की मृत्यु मानवजनित कारणों से हुई, जिनमें अधिकतर बिजली के करंट और रेल दुर्घटनाएं शामिल हैं। हाल के वर्षों में कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें जहरीले फल, पटाखों और अवैध शिकार के कारण हाथियों की मौत हुई। दिसंबर 2025 में असम में ट्रेन की टक्कर से आठ हाथियों की मृत्यु की घटना इस संकट की गंभीरता को दर्शाती है। स्पष्ट है कि मानव और हाथियों के बीच संतुलन बनाना समय की आवश्यकता है। इसके लिए जंगलों का संरक्षण, हाथी कॉरिडोर की सुरक्षा, सुरक्षित रेलवे और बिजली व्यवस्था, आधुनिक तकनीकों का उपयोग तथा स्थानीय समुदायों की भागीदारी अत्यंत जरूरी है। यदि हम अभी नहीं चेते, तो यह अमूल्य प्रजाति संकट में पड़ सकती है।

णमोकार महामंत्र से सभी आत्माओं का कल्याण होता है...

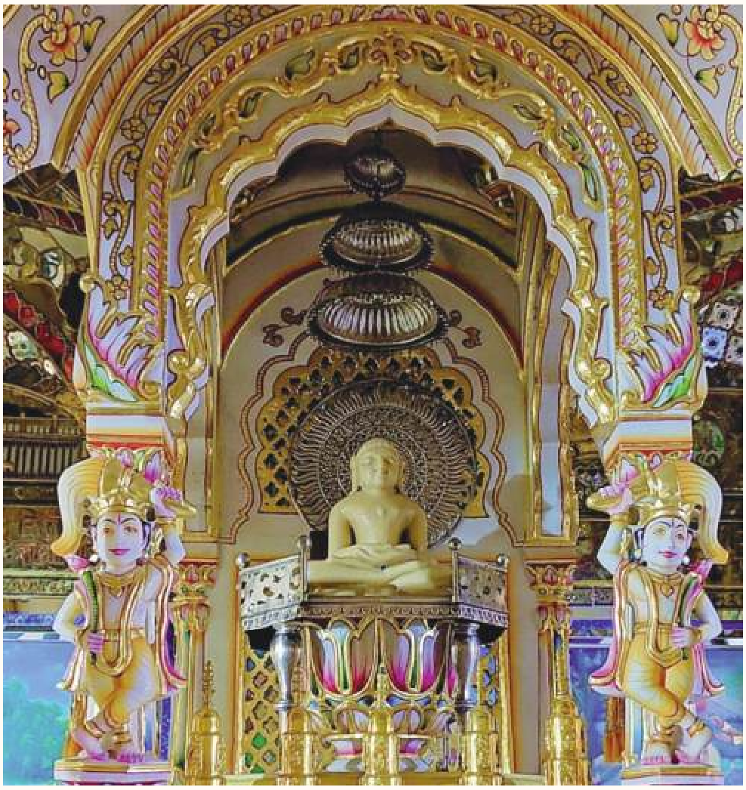

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

परम पूज्य पट्टाचार्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य उपाध्याय मुनि श्री 108 विकसंत सागर जी महाराज के सान्निध्य में धाटीकुवा स्थित तेरहपंथी जैन मंदिर में जलाभिषेक एवं शांतिधारा भक्ति भाव से संपन्न हुई। शांतिधारा के पुण्यार्जक श्रीमती गुणमाला देवी, कैलाशचंद, निर्मल कुमार, अमित, उमंग अरिहंत पांड्या परिवार को शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। धर्मसभा का मंगलाचरण किरण देवी एवं मुन्नी देवी झांझरी ने किया। संतोष कुमार, प्रवीण, विपिन, चिन्मय एवं दिव्य पहाड़िया परिवार ने शास्त्र भेंट किए। ललित कुमार, चिरंजी लाल, लेखराज एवं निखिल पहाड़िया परिवार ने पाद प्रक्षालन किया। आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के चित्र के समक्ष लालचंद, संतोष, ज्ञानचंद, अशोक पहाड़िया, पुरणमल, विनोद झांझरी, अशोक अजमेरा, सुरेश कुमार, प्रकाशचंद, मोनू पाटोदी एवं निखिल जैन ने दीप प्रज्वलन किया। उपाध्याय श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि धार्मिक वही है, जो दूसरों को दुख देने का तनिक भी भाव नहीं रखता। सभी आत्माएं समान हैं तथा मृत्यु और वैराग्य की कोई आयु नहीं होती। प्रत्येक व्यक्ति को सभी आत्माओं के सम्मान एवं कल्याण की भावना रखनी चाहिए। उन्होंने णमोकार महामंत्र की महिमा बताते हुए कहा कि यह अनादि, अनंत और सर्वकल्याणकारी मंत्र है। उदाहरण देते हुए बताया कि नाग-नागिन को मृत्यु के समय णमोकार मंत्र सुनाने से उनका उत्तम गति में कल्याण हुआ। प्रवचन के पश्चात श्रीमती संतोष देवी संतोष पहाड़िया परिवार द्वारा सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। **-सुभाष पहाड़िया**

साहेब मेरे भीमराव तू

बना लिया है राजनीति का हथियार बाबा भीमराव को।
बनाने को खुद को कंगूरा, बना लिया शस्त्र भीमराव को।।
सच्चे मन से नहीं मतलब इनको अपने समाज और वतन से,
पाने को वोट चुनावों में, बना लिया वोट बैंक भीमराव को।।
तू तो बसा है मेरे दिलो-दिमाग में,
तू तो मौजूद है मेरे यहाँ हर काम में।।
सजता है तू मेरे हर गीत-राग में,
साहेब मेरे भीमराव तू, साहेब मेरे भीमराव तू।। (2)

तू तो बसा है मेरे।।
तेरी दिखाई राह पे मैं चल रहा हूँ,
अन्याय के खिलाफ मैं लिख रहा हूँ।।
तू ही रोशनी है मेरे इस संसार में,
तू ही है शक्ति मेरे शब्द और आवाज में।।
साहेब मेरे भीमराव तू, साहेब मेरे भीमराव तू।। (2)
तू तो बसा है मेरे।।
नहीं मतलबी बनकर तुम्हें याद करता हूँ,
अपने स्वार्थ के लिए नहीं तेरी पूजा करता हूँ।।
तू है दिन-रात, हर पल यहाँ मेरे साथ में,
तू ही है मौजूद मेरी मंजिल और ख्वाब में।।
साहेब मेरे भीमराव तू, साहेब मेरे भीमराव तू।। (2)
तू तो बसा है मेरे।।
मेरी राजनीति का तू नहीं हथियार है,
कंगूरा बनने के लिए नहीं तुमसे प्यार है।।
बांटा है अपनों ने तुमको अपने समाज में,
लेकिन तू तो पूज्य है यहाँ हर समाज में।।
साहेब मेरे भीमराव तू, साहेब मेरे भीमराव तू।। (2)
तू तो बसा है मेरे।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ जी. आजाद
शिक्षक एवं साहित्यकार
तहसील एवं जिला-बारां (राजस्थान)

पिता के साये से वंचित दो बहनों के विवाह में किया सहयोग

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग, अजमेर की सरावगी मोहल्ला इकाई के तत्वावधान में जरूरतमंद परिवार की महिला श्रीमती रेखा धर्मपत्नी स्वर्गीय अशोक कुमार की दो पुत्रियां वंदना एवं प्रियंका के आगामी विवाह के लिए आवश्यक सामग्री देकर सहयोग किया गया। सरावगी मोहल्ला इकाई की अध्यक्ष किरण गोधा ने बताया कि स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता हरिप्रसाद खांडल ने श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर संभाग के अध्यक्ष अतुल पाटनी को इस परिवार की स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि दोनों बालिकाओं के पिता का स्वर्गवास 25 वर्ष पूर्व हो गया था तथा उनकी माता मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं

और वैवाहिक कार्य संपन्न करने में असमर्थ हैं। इस पर समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी एवं संरक्षक राकेश पालीवाल के सानिध्य में सहयोग स्वरूप 45 साड़ियां, 4 बेड सेट, सलवार सूट सेट, परिवारजनों के वस्त्र, सौंदर्य प्रसाधन सामग्री, स्टील के बर्तन, कार्डिगन, स्वेटर, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, चांदी के आभूषण, स्वरोजगार हेतु आधुनिक सिलाई मशीन, कुकर, ओवन, ब्लैंकेट, बेडशीट, चौकी, घड़ी, मिक्सी, पंखा, जूसर, सजावट सामग्री, बाथरूम सेट सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं के दो-दो सेट प्रदान किए गए। अध्यक्ष किरण गोधा एवं मंत्री राखी गोधा ने बताया कि इस सेवा कार्य में दिशांत शर्मा, कोषाध्यक्ष हीरामणि बडजात्या, शकुंतला बाकलीवाल, अदु बाकलीवाल, मंजू गंगवाल, उर्मिला नगरवाल, मंजुला जैन, पायल जैन, बीना जैन, किशनगढ़ निवासी आशा अजमेरा, खुशबू पटवा, पदमचंद जैन सहित सरावगी मोहल्ला इकाई की सदस्याओं का विशेष सहयोग रहा।

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम दक ने किया पोस्टर का विमोचन

जयपुर/कोटखावदा. शाबाश इंडिया

काशीपुरा के श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में विनीत धाम प्रणेता विद्या वारिधि पट्टाचार्य 108 विनीत सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महामहोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। अध्यक्ष बाबूलाल गोधा एवं मंत्री विनोद गंगवाल ने बताया कि पट्टाचार्य श्री ससंघ के सानिध्य तथा विधानाचार्य पं. विमल कुमार जैन बनेठा के निर्देशन में शुक्रवार, 24 अप्रैल से रविवार, 26 अप्रैल तक काशीपुरा में आयोजित होने वाले इस धार्मिक आयोजन के बहुरंगी पोस्टर का विमोचन सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने किया। विमोचन के अवसर पर राजस्थान जैन सभा, जयपुर के अध्यक्ष सुभाषचंद जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप जैन, उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, कार्यकारिणी सदस्य चेतन जैन निमोडिया, काशीपुरा समाज के मंत्री विनोद गंगवाल, दीपक गोधा, अमन जैन कोटखावदा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर समाजबंधुओं ने माननीय मंत्री एवं राजस्थान जैन सभा जयपुर के पदाधिकारियों को श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, काशीपुरा में होने वाले वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का निमंत्रण पत्र भी प्रदान किया।

प्रचार-प्रसार संयोजक दीपक गोधा एवं अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव में सानिध्य प्रदान करने के लिए पट्टाचार्य विनीत सागर महाराज ससंघ का रविवार, 19 अप्रैल को प्रातः 8.00 बजे विशाल जुलूस के साथ भव्य मंगल प्रवेश होगा।

400 वर्ष प्राचीन मंदिर का हुआ जीर्णोद्धार

राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि बस्सी तूंगा तहसील के अंतर्गत काशीपुरा स्थित श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर लगभग 400 वर्ष प्राचीन है। हाल ही में समाजबंधुओं द्वारा इस मंदिर का जीर्णोद्धार करवाकर वेदियों को नया स्वरूप प्रदान किया गया है। मूलनायक के रूप में जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ की प्राचीन एवं अतिशयकारी पद्मासन प्रतिमा विराजमान है।

रामगंजमंडी में आदिनाथ जैन मंदिर की भव्य प्रतिष्ठा: आचार्य मणिप्रभ सूरीश्वरजी ने करवाया अंजनशलाका युक्त प्रतिमाओं का अभिषेक

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

कोटा जिले के रामगंजमंडी शहर में आस्था और उमंग का नया अध्याय जुड़ा है।

बुधवार को राष्ट्र रत्न खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिन मणिप्रभ सूरीश्वरजी महाराज के सानिध्य में सफेद मार्बल से निर्मित 42 फीट ऊँचे शिखरबंद मंदिर की भव्य प्रतिष्ठा संपन्न हुई। मात्र 7 महीने 7 दिन की अल्प अवधि में बनकर तैयार हुए इस नवनिर्मित मंदिर की मुख्य वेदी में भगवान आदिनाथ, पार्श्वनाथ, महावीर स्वामी और सुमतिनाथ की प्रतिमाओं को सुबह 8:33 बजे शुभ मुहूर्त में विराजमान किया गया।

शिखर पर ध्वजारोहण और कलश स्थापना

आचार्य श्री की निश्रा में 151 इंच लंबे दंड पर 131 इंच लंबी ध्वजा फहराई गई। ध्वजा का लाभ मनीष लोढ़ा परिवार (सूरत) और मुख्य कलश का लाभ मोहित नाहर परिवार (सूरत) ने लिया। इसी के साथ मंदिर परिसर में स्थापित 70 वर्ष प्राचीन प्रतिमाओं और अन्य देवी-देवताओं का भी विधि-विधान से पुनः अभिषेक किया गया।

अंजनशलाका का महत्व और गुरुवाणी

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री मणिप्रभ सूरीश्वरजी भावुक हो उठे। उन्होंने कहा, ॽरामगंजमंडी की भक्ति का दृश्य मेरी आँखों में तैर रहा है। अंजनशलाका के बाद प्रतिमा साक्षात परमात्मा बन जाती है।ॽ उन्होंने सौंदर्य और सुगंध का उदाहरण देते हुए कहा कि भगवान के गुणों की सुगंध प्राप्त करने के लिए उनकी पूजा और स्पर्श अनिवार्य है। उन्होंने रामगंजमंडी के सभी जैन संप्रदायों और सर्वसमाज द्वारा दिखाई गई एकता की जमकर सराहना की।

राजकुमार पारख को 'संघ भूषण' की उपाधि

समाज के प्रति उत्कृष्ट सेवाओं के लिए श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर श्री संघ के अध्यक्ष राजकुमार पारख को आचार्य श्री ने 'संघ भूषण' की पदवी से अलंकृत किया। आचार्य श्री ने साक्षी पारख सहित पूरी आयोजन समिति के प्रबंधन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वे रामगंजमंडी से यहाँ के लोगों का अगाध प्रेम और श्रद्धा साथ लेकर जा रहे हैं।

कल होगा द्वार उद्घाटन

गुरुवार को नवनिर्मित मंदिर का द्वार उद्घाटन किया जाएगा, जिसका लाभ पारख परिवार ने लिया है। इसके पश्चात मंदिर आम श्रद्धालुओं के दर्शन और पूजन के लिए खोल दिया जाएगा।

रिपोर्टः अभिषेक जैन लुहाड़िया, रामगंजमंडी।

दर्द और आँसुओं की ताकत

उन दीवारों से पूछो, वो 'रातें' कैसी थीं,
जब 'रोटी' भी छुप-छुपकर खाती थी।
उनके आँसू भी 'आवाज' न करें कहीं,
इस डर से हर 'पीड़ा' दबाई जाती थी।
नन्ही-सी उम्र में सपने देखे थे कोमल,
लेकिन किस्मत ने यूँ बोझ थमा दिया।
अपनों के मध्य ही 'पराया' बनाकर,
ज़िंदगी जीना जैसे 'सजा' बना दिया।
हर एक चोट ने दिल को 'तोड़ा' जरूर,
पर स्वयं की हिम्मत को तोड़ न पाई।
यहाँ 'अंधेरों' ने भी लाख कोशिशें कीं,
पर एक आशा की किरण बुझ न पाई।
एक दिन जब हद से गुजर गया दर्द,
और साँसें भी ज्यादा भारी लगने लगीं।
तब से भीतर की एक छोटी-सी उम्मीद,
अंदर ही हौले-हौले फिर जगने लगी।
कहा– तू खत्म होने के लिए नहीं बनी,
तू तो एक नई कहानी है बदलाव की।
जो राख से भी उठकर जल उठेगी फिर,
एक नई उजली होकर निकलेगी आग सी।
आँसुओं को ताकत बना, डर को छोड़ दिया,
जो रोटी छुपकर खाती, वह रिश्ता तोड़ दिया।
ये वही चेहरा है जिसने अंधेरों को हराया है,
ये कहती– तू उठ, तेरा भी वक्त आया है।
(संदर्भः मध्य प्रदेश की आईएएस सविता प्रधान की कहानी)

संजय एम. तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इंदौरः 452011 (मध्य प्रदेश)

मिथ्यात्व से मुक्ति के बिना मोक्ष संभव नहीं: आचार्य प्रज्ञासागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

जवाहर नगर जैन मंदिर प्रवास के दौरान बुधवार को मंदिर प्रांगण में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य प्रज्ञासागर जी ने कहा कि मोक्ष प्राप्ति के लिए मिथ्यात्व भाव से मुक्ति पाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी साधु या व्यक्ति कितना ही तप, उपवास या साधना कर ले, यदि उसके भीतर मिथ्यात्व का भाव है, तो वह मोक्ष मार्ग पर आगे नहीं बढ़ सकता। आचार्य श्री ने कहा कि दुर्बुद्धि को सद्बुद्धि में परिवर्तित करना ही सच्ची साधना है। इस पंचम काल में भले ही मोक्ष की प्राप्ति संभव न हो, परंतु हम मोक्ष मार्ग पर चलकर अपने जीवन को अवश्य सुधार सकते हैं। इससे पूर्व धर्मसभा के प्रारंभ में राजीव जैन, वीरेन्द्र जैन और अन्ना बज द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। इसके बाद राजीव सोगानी परिवार ने आचार्य श्री को शास्त्र भेंट कर सम्मानित किया, वहीं विनोद जैन तिजारिया परिवार ने आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन का पुण्य लाभ प्राप्त किया।

जयपुर टाइगर फेस्टिवल की नई पहल

सरकारी विद्यालयों के बच्चों को कराया झालाना लेपर्ड सफारी का निःशुल्क भ्रमण

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर टाइगर फेस्टिवल की ओर से नई पीढ़ी को वन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाने के लिए एक सराहनीय पहल की गई है। संस्था के सचिव आनंद अग्रवाल ने बताया कि इस मुहिम के तहत 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शामिल किया गया है। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक बुधवार को शहर के एक राजकीय विद्यालय के विद्यार्थियों को निःशुल्क झालाना लेपर्ड सफारी का भ्रमण कराया जा रहा है। इस दौरान विद्यार्थियों को जंगल, वन्यजीवों, वनस्पतियों तथा पेड़-पौधों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाती है। इसी क्रम में बुधवार, 15 अप्रैल को झालाना लेपर्ड सफारी के फॉरेस्टर राजकिशोर योगी एवं रेंजर जितेंद्र सिंह शेखावत के नेतृत्व में जयपुर टाइगर फेस्टिवल के अध्यक्ष संजय कुमार खवाड़ और सचिव आनंद अग्रवाल के सानिध्य में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुखपुरिया (सांगानेर, जयपुर) के विद्यार्थियों को सफारी भ्रमण कराया गया। अग्रवाल ने बताया कि भविष्य में इन विद्यार्थियों की एक परीक्षा भी आयोजित की जाएगी, जिसमें जंगल भ्रमण से प्राप्त ज्ञान का आकलन किया जाएगा। अध्यक्ष संजय खवाड़ ने बताया कि इस अभियान में शामिल प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को एक बड़े कार्यक्रम में सम्मानित करने की भी योजना है। यह कार्यक्रम वन विभाग, राजस्थान द्वारा निःशुल्क आयोजित किया जा रहा है, जिसमें राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद का पूर्ण सहयोग प्राप्त है। उन्होंने वन विभाग एवं वन मंत्री श्री संजय शर्मा का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समन्वय जयपुर टाइगर फेस्टिवल द्वारा किया गया।

आनंद अग्रवाल
सचिव, जयपुर टाइगर फेस्टिवल
मो. 9982211000

फागी कस्बे सहित परिक्षेत्र के जिनालयों में जैन धर्म के पंद्रहवें तीर्थंकर धर्मनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया

फागी. शाबाश इंडिया

फागी कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेड़ा, लसाड़िया तथा लदाना सहित कस्बे के जिनालयों में जैन धर्म के 15वें तीर्थंकर धर्मनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि कस्बे के मुनि सुव्रतनाथ जिनालय में प्रातः श्रीजी का अभिषेक करने के बाद समाज की ओर से सामूहिक रूप से शांतिधारा कर अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना की गई। तत्पश्चात धर्मनाथ भगवान के जयकारों के साथ सामूहिक रूप से गर्भ कल्याणक का अर्घ्य चढ़ाकर सुख, समृद्धि और शांति की कामना की गई। कार्यक्रम में महिला मंडल की अंजु टीबा, संजू बजाज एवं अर्चना जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि धर्मनाथ भगवान जैन धर्म के अवसर्पिणी काल के 15वें तीर्थंकर हैं। उनका जन्म रत्नपुरी (इक्ष्वाकु वंश) में राजा भानु और माता सुव्रता के यहां हुआ था। वैशाख कृष्ण त्रयोदशी को उनका गर्भ कल्याणक महोत्सव मनाया जाता है। उनके गर्भ में आने से पूर्व कुबेर द्वारा रत्नों की वर्षा की गई थी, जो इस कल्याणकारी घटना को दर्शाता है। उन्होंने साल वृक्ष के नीचे दीक्षा लेकर केवलज्ञान प्राप्त किया तथा संयम पथ का पालन करते हुए शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर से मोक्ष प्राप्त किया। कार्यक्रम में समाजसेवी मोहनलाल झंडा, कैलाश कासलीवाल, सोभाग सिंहल, हनुमान कलवाड़ा, रमेश बजाज, महावीर बजाज, मुकेश गिंदोढ़ी, जीतू कासलीवाल, कमलेश चौधरी, आशु झंडा, अंकित सिंहल, योगेंद्र झंडा, लक्की झंडा, कमलेश चौधरी, राजाबाबू गोधा तथा संतरा झंडा, प्रेम देवी पंसारी, पर्युषणा झंडा, कमला कासलीवाल, हेमलता बजाज, शोभा झंडा, रेखा झंडा, गुणमाला झंडा, इलायची मोदी, आशा मोदी, ललिता सिंहल, अंजू टीबा, मधु गिंदोढ़ी, सुनीता गिंदोढ़ी एवं रिया जैन सहित सभी श्रावक-श्राविकाएं मौजूद रहे।

राजाबाबू गोधाः मीडिया प्रवक्ता, जैन महासभा राजस्थान

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

मौन का अर्थ केवल चुप्पी नहीं, समस्त इंद्रियों की शांति हैः आचार्य प्रसन्न सागरजी

बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया। अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ की ''अहिंसा संस्कार पदयात्रा'' का दीक्षा भूमि परतापुर, बांसवाड़ा में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा में उपस्थित गुरुभक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने मौन की गहन व्याख्या की। आचार्य श्री ने कहा कि मौन का वास्तविक अर्थ केवल वाणी से चुप हो जाना नहीं है, बल्कि समस्त इंद्रियों को शांत कर लेना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वाणी के मौन के साथ-साथ आंख, कान, नाक, शरीर और रसना के अलावा छठी इंद्रिय 'मन' को मौन रखना सबसे कठिन साधना है।

मौन के तीन मुख्य सोपान

आचार्य श्री ने मौन की गहराई को तीन श्रेणियों में विभाजित किया। **शब्द मौनः** इसमें वाणी तो मौन रहती है, लेकिन अन्य इंद्रियां सक्रिय रहती हैं। यह मौन की प्राथमिक अवस्था है। **नयन मौनः** यह वाणी के मौन से अधिक कठिन है। इसमें आंखों से इशारे करना वर्जित है। जब आंखें स्थिर और शांत होती हैं, तब बाहरी आकर्षण कम होने लगते हैं। **मन मौन (आर्य मौन):** यह सबसे कठिन और श्रेष्ठ अवस्था है। जब इंद्रियों के साथ मन भी मौन हो जाता है, तो भीतर की शक्तियों में स्वतः संवाद होने लगता है। ऐसी स्थिति में असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं।

एक मौन, अनेक लाभः आचार्य श्री ने मौन के व्यावहारिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मौन रहने से वाणी के अपव्यय और ऊर्जा की हानि से बचाव होता है।

यह भीतर की सुप्त शक्तियों को जागृत करने का माध्यम है।

नियमित मौन से स्मरण शक्ति तेज होती है।

व्यक्ति के वचनों में प्रमाणिकता और प्रभाव बढ़ता है।

मौन की स्थिति में मनुष्य स्वयं से संवाद कर अपनी अंतरात्मा की आवाज सुन सकता है।

संवाददाताः नरेंद्र अजमेरा, पियूष कासलीवाल (औरंगाबाद)

जिनालय कर्मों के रोगों का अस्पताल हैः आचार्य वर्धमान सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया। वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ इन दिनों श्याम नगर के आदिनाथ जिनालय में विराजित हैं। बुधवार को विवेक विहार कॉलोनी में दर्शन उपरांत धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि जिस प्रकार रोगी का उपचार अस्पताल में होता है, उसी प्रकार कर्मों से पीड़ित प्राणी का आध्यात्मिक इलाज जिनालय में होता है। उन्होंने भावों की प्रधानता पर जोर देते हुए बताया कि जिनालय में पापों का प्रक्षालन केवल क्रिया से नहीं, बल्कि मन की विशुद्धता और भावों की निराकुलता से होता है। सच्चा धर्म बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि कुल परंपरा और संस्कारों के संयमित जीवन में निहित है। उन्होंने मोहनीय कर्म को आत्म-कल्याण के मार्ग की सबसे बड़ी बाधा बताया। आचार्य श्री के सानिध्य में 15 से 17 अप्रैल तक श्रीमती तारामणि देवी सेठी परिवार (कोलकाता-जयपुर) द्वारा स्वयंभू मंडल विधान का आयोजन किया जा रहा है।

प्राकृत शोध संस्थान बंद करने पर मुनि सुधासागर का आह्वान: जैन समाज एकजुट होकर करे विरोध

इंदौर. शाबाश इंडिया

प्राकृत शोध संस्थान, बासोकुंड (वैशाली) को बिहार सरकार द्वारा बंद किए जाने पर परम पूज्य निर्यापक मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने समस्त जैन समाज, सरकार एवं विद्वानों से एकजुट होकर विरोध दर्ज कराने का आह्वान किया है। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने जानकारी देते हुए बताया कि मुनि श्री ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में जैन समाज के आयतनों के बाद अब संस्थानों पर भी प्रहार शुरू हो गया है। उन्होंने इसे जैन धर्म और संस्कृति के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताया। मुनि श्री ने कहा कि भगवान महावीर के जन्मस्थल पर स्थित यह संस्थान, जहां से सैकड़ों विद्वान निकले, उसे बंद कर देना अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने समाज से अपील की कि सभी प्रदेशों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल एवं शिक्षा मंत्री को ज्ञापन देकर विरोध दर्ज कराएं और इस अमूल्य धरोहर को बचाने के लिए संगठित आंदोलन करें। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार जैसे प्रदेश, जहां भगवान महावीर का जन्म हुआ, वहां इस प्रकार की कार्रवाई उचित नहीं है। इसके बजाय महावीर के नाम पर और संस्थान स्थापित किए जाने चाहिए। राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ ने भी समाज की जागृत संस्थाओं से इस संस्थान को बचाने के लिए अपनी पूरी शक्ति लगाने का आह्वान किया है।

तीर्थंकर ग्रुप की धार्मिक यात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर, जयपुर के सदस्य चार दिवसीय धार्मिक यात्रा पर जयपुर के दिगंबर जैन मंदिर, चंद्रप्रभु दुगापुरा के दर्शन कर रवाना हुए। यहां से मार्ग में सिद्धार्थ नगर जैन मंदिर के दर्शन करते हुए आंवा अतिशय क्षेत्र पहुंचे। वहां भगवान शांतिनाथ के दर्शन कर सहस्त्रकूट चैत्यालय, नंदीश्वर द्वीप जिनालय व अन्य जिनालयों के दर्शन किए। इसके बाद स्वस्तिधाम जहाजपुर पहुंचकर भगवान मुनिसुव्रतनाथ के तीनों मंजिलों के दर्शन किए तथा कोटा दादाबाड़ी जैन मंदिर में भी दर्शन किए। रात्रि में कोटा रिवरफ्रंट का भ्रमण किया और विज्ञान नगर स्थित भव्य जैन मंदिर में रात्रि विश्राम किया। प्रातःकाल अभिषेक एवं पूजन कर चांदखेड़ी में आयोजित 30वें दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लिया, जहां तीर्थंकर ग्रुप को जीव दया, धार्मिक गतिविधि, मानव सेवा एवं पर्यावरण के क्षेत्र में चार पुरस्कार प्राप्त हुए। ग्रुप के सचिव श्री सुरेश कुमार गंगवाल को 'बेस्ट कोषाध्यक्ष' अवार्ड से सम्मानित किया गया। अधिवेशन के पश्चात गोलाकोट पहुंचकर नवीन स्वर्ण मंदिर में अभिषेक व शांतिधारा की गई। इसके बाद खनियाधाना, पचराई, केशवरायपाटन एवं बिजोलिया अतिशय क्षेत्र में दर्शन किए। बिजोलिया में विश्व की विशाल पद्मासन पार्श्वनाथ प्रतिमा का अभिषेक एवं अष्ट प्रातिहार्य का आयोजन भी किया गया। यात्रा के दौरान गुलगांव, बघेरा, टोडारायसिंह, मालपुरा सहित विभिन्न तीर्थों में दर्शन किए। टोडारायसिंह में आचार्य संघ के दर्शन कर मुनि निपुणसागरजी एवं अन्य संतों तथा माताजी के दर्शन का लाभ प्राप्त किया। इस यात्रा में ग्रुप अध्यक्ष डॉ. एम.एल. जैन मणि, डॉ. शांति जैन मणि, सुरेश कुमार गंगवाल, आभा गंगवाल, शशि, मंजू एवं विजयलक्ष्मी (बेला) सहित अन्य सदस्यों ने सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित किया। अंत में डॉ. मणि ने सभी का आभार व्यक्त किया।

महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर द्वारा पक्षियों के पेयजल प्रबंधन हेतु 500 मिट्टी के सकोरे वितरित

अजीत कोठिया डडूका की रिपोर्ट

महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर केंद्र द्वारा मैक्सफोर्ट इंटरनेशनल स्कूल, परतापुर में स्कूली छात्र-छात्राओं को भीषण गर्मी के दौरान पक्षियों के पेयजल प्रबंधन हेतु मिट्टी के 500 सकोरे वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य रजनीश उपाध्याय ने की। मुख्य अतिथि अजीत कोठिया (इंटरनेशनल डायरेक्टर, नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल) रहे, जबकि समारोह गौरव हाजी डॉ. हकीम शेख तथा विशेष अतिथि महावीर इंटरनेशनल बांसवाड़ा के महेश पंवार एवं कुलदीप वसीटा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में केंद्र सचिव वीर रामभरत चेजारा ने आयोजन के पर्यावरणीय महत्व पर जानकारी दी। अजीत कोठिया ने एपेक्स की पत्रिका 'महावीर प्रवाह' के सेवा विशेषांक की प्रति विद्यालय प्रबंधन को भेंट की। डॉ. हकीम शेख ने प्यासे पक्षियों के लिए पेयजल हेतु सकोरे वितरण को पुण्य कार्य बताया। इस अवसर पर अजीत कोठिया ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे सकोरों को अपने घर की मुंडेर या आसपास के पेड़ों पर रखें और उनमें प्रतिदिन पानी भरें। साथ ही एक सकोरे में पक्षियों के लिए दाना भी रखें, जिससे गौरैया जैसे पक्षी आकर दाना चुगें और पानी पीकर वातावरण को जीवंत बनाएं। उन्होंने कहा कि पक्षियों के लिए पेयजल प्रबंधन पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक पहल है। प्रधानाचार्य रजनीश उपाध्याय ने इस सेवा कार्य के लिए विद्यालय का चयन करने पर महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर केंद्र का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन रामभरत चेजारा ने किया तथा अंत में आभार कुलदीप वसीटा ने व्यक्त किया। आयोजन में 500 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया और पक्षियों के लिए नियमित रूप से सकोरों में जल भरने का संकल्प लिया।

जैन मंदिरों में तीन दिन होंगे विशेष आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजधानी के 250 से अधिक दिगंबर जैन मंदिरों में तीन दिन विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। इस कड़ी में जैन धर्मावलंबियों द्वारा 21वें तीर्थंकर भगवान नमिनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव गुरुवार को तथा 17वें तीर्थंकर भगवान कुन्थुनाथ का जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव शनिवार को भक्तिभाव से मनाया जाएगा। इस अवसर पर शहर के जैन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना के आयोजन किए जाएंगे। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि गुरुवार, 16 अप्रैल को भगवान नमिनाथ की विशेष पूजा-अर्चना कर मोक्ष के प्रतीक निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा। इससे पूर्व श्रीजी का अभिषेक एवं विश्व में सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए शांतिधारा की जाएगी। उन्होंने बताया कि शनिवार, 18 अप्रैल को भगवान कुन्थुनाथ के तीनों कल्याणक–जन्म, तप एवं मोक्ष–मनाए जाएंगे। इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना, अर्घ्य समर्पण तथा निर्वाणोत्सव मनाया जाएगा। कार्यक्रम का समापन महाआरती के साथ होगा।

भगवान ऋषभदेव का प्रथम पारणा दिवस अक्षय तृतीया पर्व रविवार को

विनोद जैन ने बताया कि रविवार, 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर्व भक्तिभाव से मनाया जाएगा। इस दिन जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के प्रथम पारणा दिवस के उपलक्ष्य में शहर के जैन मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। त्याग की महिमा को दर्शाते हुए विभिन्न स्थानों पर दान-पुण्य के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि भगवान ऋषभदेव का प्रथम पारणा इक्षु रस से हुआ था, इसलिए श्रद्धालुओं को गन्ने का रस (इक्षु रस) पिलाया जाएगा। जरूरतमंदों को आर्थिक सहयोग प्रदान कर दान की परंपरा को भी आगे बढ़ाया जाएगा। सायंकाल भक्तामर स्तोत्र दीप महाअर्चना का आयोजन कर भगवान आदिनाथ की स्तुति की जाएगी।

– विनोद जैन कोटखावदा
प्रदेश महामंत्री,
राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर

30वीं वर्षगांठ पर रंग, राग और रचनात्मकता का संगम: "अभिव्यक्ति 2026" का भव्य आगाज 7 मई से

पांच दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव में 28 प्रतियोगिताएं, युवा प्रतिभाओं को मिलेगा मंच और सम्मान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

शहर की सांस्कृतिक धड़कनों को जीवंत करने वाला ऐश्वर्या ग्रुप ऑफ कॉलेजेज का बहुप्रतीक्षित महोत्सव 'अभिव्यक्ति 2026' इस बार और भी खास होने जा रहा है। संस्थान अपनी 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर 7 से 11 मई तक इस पांच दिवसीय सांस्कृतिक महाकुंभ का आयोजन करेगा, जिसका समापन 11 मई को भव्य प्रस्तुतियों और पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा। वर्ष 2016 से नाट्यऐश्वर्या (कला प्रदर्शन विभाग) के तत्वावधान में आयोजित यह महोत्सव आज उदयपुर के युवाओं के लिए एक सशक्त पहचान बन चुका है। विद्यार्थियों द्वारा संचालित यह आयोजन न केवल शहर का सबसे बड़ा सांस्कृतिक मंच है, बल्कि यह युवाओं की रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास को भी नई दिशा देता है। इस बार भी महोत्सव में भागीदारी पूरी तरह निशुल्क रखी गई है, जिससे अधिक से अधिक स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी इसमें शामिल होकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। प्रविष्टियों की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। पिछले वर्ष 45 से अधिक शिक्षण संस्थानों के 600 से ज्यादा प्रतिभागियों ने इसमें भाग लेकर आयोजन की गरिमा को नई ऊंचाई दी थी। 'अभिव्यक्ति 2026' में इस वर्ष करीब 28 प्रतियोगिताएं और विभिन्न खेल गतिविधियां आयोजित होंगी, जिनमें नृत्य, नाटक, संगीत, साहित्य और अन्य रचनात्मक

विधाएं शामिल रहेंगी। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे, वहीं विजेताओं को आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। महोत्सव का मुख्य आकर्षण नृत्य नाटिका प्रतियोगिता की चार फीट ऊंची लकड़ी की रनिंग ट्रॉफी रहेगी, जो पिछले एक दशक से इसकी पहचान बनी हुई है। इसके साथ ही विजेताओं को क्रमशः 21,000, 7,500 और 5,000 रुपये के नकद पुरस्कार भी दिए जाएंगे। कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए विद्यार्थियों को श्री रजत मेघनानी (कहानीवाला) द्वारा विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे आयोजन प्रबंधन और कला प्रदर्शन के विभिन्न पहलुओं में दक्ष बन सकें। उल्लेखनीय है कि 'अभिव्यक्ति' केवल एक महोत्सव नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जहां युवा अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ते हुए अपने सपनों को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाते हैं।

रिपोर्ट /फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'

अहंकार: अपने आनंद का अंतिम संस्कार

मनुष्य के जीवन में सुख और शांति का सबसे बड़ा आधार उसका स्वभाव होता है। जब तक व्यक्ति सहज, सरल और विनम्र रहता है, तब तक उसका जीवन भी आनंद से भरा रहता है। लेकिन जैसे ही इस सरलता पर अहंकार का आवरण चढ़ता है, वही जीवन धीरे-धीरे अशांत और बोझिल होने लगता है। वास्तव में 'अहंकार' का सीधा अर्थ है-अपने ही आनंद का अंतिम संस्कार करना। अहंकार मनुष्य को भीतर से खोखला कर देता है। यह ऐसा विष है, जो धीरे-धीरे हमारे विचारों, व्यवहार और संबंधों को नष्ट करता है। जब व्यक्ति को अपनी शक्ति, ज्ञान, धन या पद का घमंड हो जाता है, तब वह दूसरों को छोटा समझने लगता है। यही भावना उसके भीतर के आनंद को समाप्त कर देती है, क्योंकि जहां अहंकार होता है, वहां सच्चा प्रेम, अपनापन और संतोष टिक नहीं पाते। जीवन में जो व्यक्ति जितना अधिक विनम्र होता है, वह उतना ही अधिक सुखी रहता है। विनम्रता व्यक्ति को जोड़ती है, जबकि अहंकार उसे तोड़ता है। अहंकारी व्यक्ति के पास सब कुछ होते हुए भी वह अकेला पड़ जाता है, क्योंकि लोग उससे दूरी बनाने लगते हैं। इसके विपरीत, एक सरल और विनम्र व्यक्ति कम साधनों में भी सच्चा आनंद अनुभव करता है, क्योंकि उसके पास लोगों का प्रेम और विश्वास होता है। अहंकार का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह व्यक्ति को सीखने से रोक देता है। उसे लगता है कि वह सब कुछ जानता है, इसलिए वह किसी की सलाह या अनुभव को महत्व नहीं देता। यही कारण है कि उसका विकास रुक जाता है और वह धीरे-धीरे अपने ही बनाए भ्रम में जीने लगता है। जबकि जो व्यक्ति अहंकार छोड़ देता है, वह हर किसी से कुछ न कुछ सीखता है और निरंतर आगे बढ़ता रहता है। धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी अहंकार को सबसे बड़ा शत्रु माना गया है। सभी महान संतों और महापुरुषों ने विनम्रता को ही सच्चे धर्म का आधार बताया है। क्योंकि जब तक मैं का भाव समाप्त नहीं होता, तब तक हम और सब का भाव उत्पन्न नहीं होता। और जहां हम नहीं है, वहां आनंद भी नहीं हो सकता। इसलिए यदि हम अपने जीवन में सच्चा सुख और शांति चाहते हैं, तो हमें अहंकार को त्यागना होगा। अपने भीतर झांककर यह समझना होगा कि हम जो भी हैं, वह केवल हमारे प्रयासों का नहीं, बल्कि ईश्वर की कृपा, समाज के सहयोग और परिवार के संस्कारों का परिणाम है। यह सोच हमें विनम्र बनाती है और हमारे जीवन को वास्तविक आनंद से भर देती है। अंततः यही सत्य है कि अहंकार हमें क्षणिक सुख का भ्रम देता है, लेकिन स्थायी दुख का कारण बनता है। जबकि विनम्रता हमें सच्चा और स्थायी आनंद प्रदान करती है। इसलिए अपने जीवन को सुंदर और सार्थक बनाने के लिए अहंकार का त्याग करें और विनम्रता को अपनाएं– यही सच्चे आनंद की कुंजी है।

नितिन जैन
संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल
मोबाइल: 9215635871

दिव्यांगजनों को मिला आत्मनिर्भरता का संबल

7 पात्र लाभार्थियों को स्कूटी वितरण

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। समाज के दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल के तहत बसंत विहार कांचीपुरम स्थित विधायक कार्यालय पर शेष रहे 7 पात्र दिव्यांगजनों को स्कूटीयाँ वितरित की गईं। यह कार्यक्रम भीलवाड़ा विधायक अशोक कुमार कोठारी के सानिध्य में किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व वरिष्ठ जिला महामंत्री प्रदीप सांखला, भाजपा के पूर्व जिला मंत्री एवं श्रीशिव महापुराण कथा के कार्यकारी अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी, कथा समिति उपाध्यक्ष एवं परम गौ भक्त सुनील जागेटिया तथा आनंद चपलोत ने आतिथ्य प्रदान किया। इस अवसर पर विधानसभा दिव्यांग संयोजक पवन लोढ़ा ने सभी लाभार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की योजनाएं दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विधायक अशोक कुमार कोठारी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये स्कूटीयाँ उनके दैनिक जीवन को सरल बनाते हुए आत्मनिर्भरता की ओर एक मजबूत कदम साबित होंगी। साथ ही उन्होंने सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की। कार्यक्रम के दौरान भाजपा पूर्व जिला महामंत्री बाबूलाल टाक, प्रशासनिक प्रभारी एडवोकेट अर्पित कोठारी, निजी सहायक गजेंद्र सिंह राठौड़,एसडीएमसी विधानसभा संयोजक संजय राठी, सोशल मीडिया प्रभारी दिनेश सुथार, सह-प्रभारी पृथ्वीराज सिंह, प्रिंस जैन एवं अजय पाराशर सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

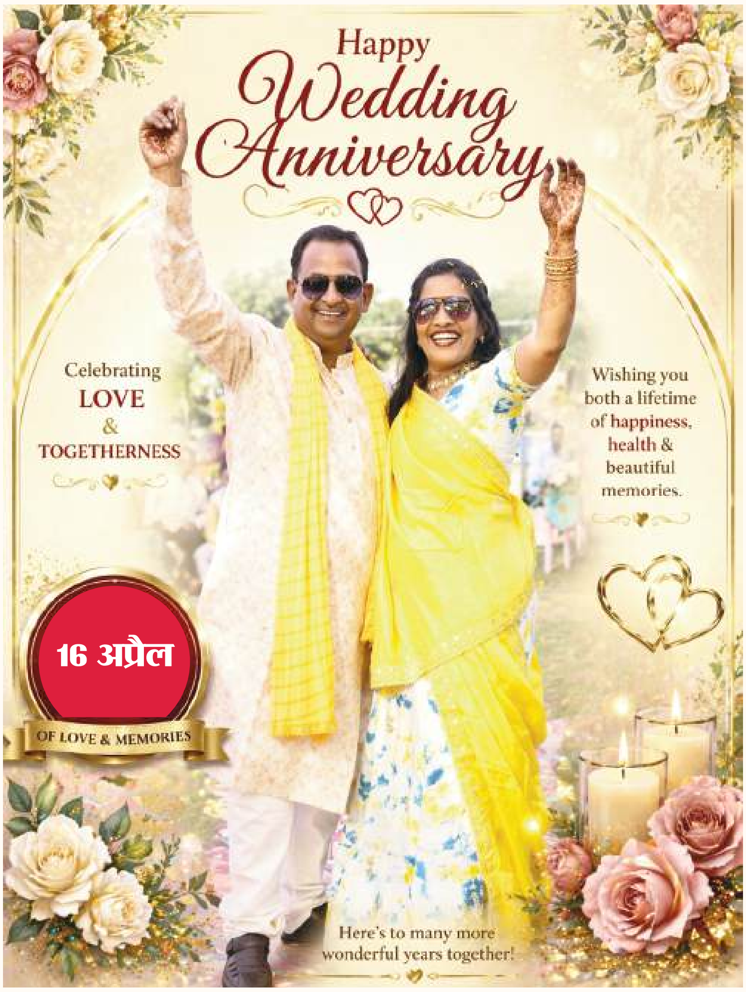

मुकेश जी-मैना जी जैन

को वैवाहिक वर्षगांठ पर बहुत बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं

मित्रा परिवार, शांति नगर	पराग - नैंसी जैन
सुनील बिलाला - डॉ सोनल बिलाला ,	मनीष- आभा दोसी,
पंकज - नीना पाटनी	विवेक - सिद्धि गोदीका
मैकीन गोदीका - प्रिया गोदीका,	आलोक - छवि छाबड़ा,
मनीष - नीशा अजमेरा	नवीन-अंतिमा जैन,
विजय - मुमुक्षा सोगानी	शिवाल - कल्पना जैन

महावीर पब्लिक स्कूल का कक्षा 10 का बोर्ड परीक्षा परिणाम रहा शानदार

जयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर पब्लिक स्कूल के कक्षा 10 के विद्यार्थियों ने इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। यह परिणाम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण तथा अभिभावकों के निरंतर सहयोग का प्रतिफल है। विद्यालय के मेधावी छात्र साक्षम जैन ने 98.2% (491/500) अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके बाद प्रणव शर्मा ने 98% (490/500) अंक हासिल कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मूह मेंदिरत्ता ने 97.8% (489/500) अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं प्रियांश शर्मा ने 97.6% (488/500) तथा हर्षित बाड़ीवाल ने 96.2% (481/500) अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विषयवार उपलब्धियों में अंग्रेजी में प्रियांश शर्मा एवं सामाजिक विज्ञान में प्रणव शर्मा ने पूर्णांक (100/100) प्राप्त किए।एआई/आईटी विषय में प्रणव शर्मा, मूह मेंदिरत्ता, हर्षित बाड़ीवाल, गुंजन मान्ना, खुशी जांगिड़, जय कुमार जैन, श्रेयान शर्मा, अरिहंत जैन तथा प्रियंशु वर्मा ने 100 में 100 अंक प्राप्त कर विशेष उपलब्धि हासिल की। विद्यालय के 8 विद्यार्थियों ने 95% से अधिक तथा 25 विद्यार्थियों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय की उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा को बनाए रखा। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री उमराव मल सांघी, सचिव श्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष श्री महेश कला, विद्यालय संयोजक श्री सुदीप थोलिया, प्रधानाचार्या श्रीमती सीमा जैन एवं समस्त प्रबंधन समिति के सदस्यों ने विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभाशीष प्रदान किया। विद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देने का संकल्प लिया है।

आचार्य वसुनंदी मुनिराज ससंघ ने की शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर जी की पद वंदना

जयपुर. शाबाश इंडिया। अभिक्षण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनंदी मुनिराज ने बुधवार को संघ सहित तीर्थराज सम्मेद शिखर जी, झारखंड की पद वंदना की। संघ में मुनि, आर्यिका, क्षुल्लक एवं क्षुल्लिका सहित कुल 30 पिच्छिका शामिल हैं। जैन धर्म के 24 में से 20 तीर्थंकरों की निर्वाण भूमि सम्मेद शिखर जी की वंदना का विशेष महत्व बताया गया है कि 'एक बार वंदे जो कोई, ताँकी नरक-पशु गति नहीं होई।' श्रेष्ठी पदम जैन बिलाला, पंकज लुहाड़िया, कमलेश जैन तथा मनीष जैन के अनुसार संघ को मंगलवार को तीस पंथी कोठी से मध्यान्ह जयकारों के साथ पद वंदना हेतु विदा किया गया। इसके पश्चात धर्म जागृति संस्थान राजस्थान एवं अन्य सदस्यों द्वारा बीस पंथी कोठी से ढोल-नगाड़ों के साथ नाचते-गाते हुए भोमिया मंदिर जी होते हुए पहाड़ वंदना के लिए पद विहार कराया गया। गौतम गणधर की टोंक पर रात्रि विश्राम के बाद प्रातःकाल एक-एक टोंक पर तीर्थंकरों के चरण चिह्नों को नमन करते हुए जैन ध्वज फहराया गया। जयपुर सहित विभिन्न स्थानों से आए श्रावकों के साथ संघ द्वारा भक्ति-भाव से पहाड़ पद वंदना की गई, जिसका दृश्य अत्यंत मनोहारी रहा। संघ का चार-पाँच दिन तक पहाड़ पर ही प्रवास रहेगा तथा आहार आदि का कार्यक्रम चयार्नुकूल रखा गया है। पद वंदना कर लौटे तीर्थयात्रियों का अंतर्मना निलय, मधुबन (झारखंड) में स्वागत किया गया।